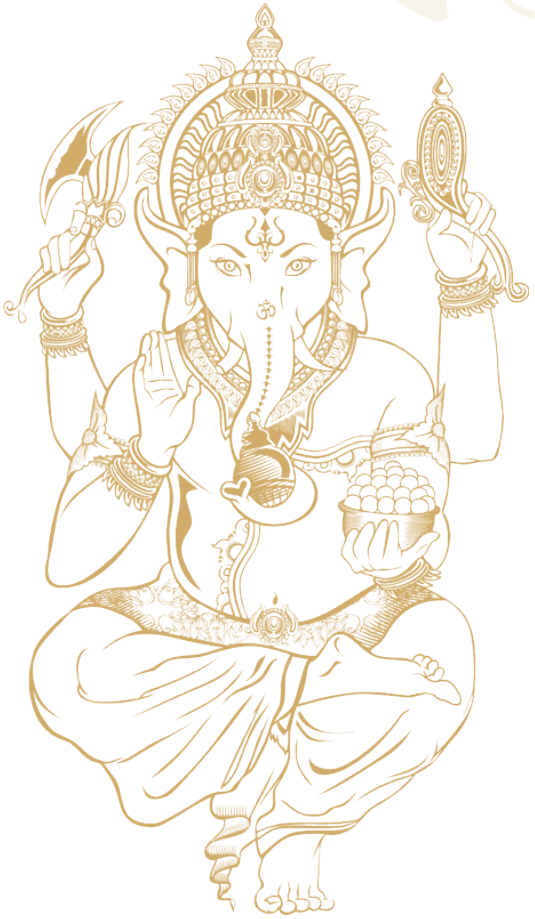

Jayesh Rajpurohit

01 Jan 2017

10:33 AM

Jalor

Model: web-freekundliweb

Order No: 120998602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/01/2017**
दिन	रविवार
जन्म समय	**10:33:00 घंटे**
इष्ट	07:49:28 घटी
स्थान	**Jalor**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:21:00 उत्तर
रेखांश	72:43:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:39:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:53:52 घंटे
वेलान्तर	-00:03:35 घंटे
साम्पातिक काल	16:38:03 घंटे
सूर्योदय	07:25:12 घंटे
सूर्यास्त	18:00:33 घंटे
दिनमान	10:35:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	16:52:38 धनु
लग्न के अंश	08:21:34 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वज्र
करण	गर
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खो-खोकरन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	08:21:34	467:24:48	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
सूर्य			धनु	16:52:38	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			मक	20:25:41	12:44:23	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	सम राशि
मंगल			कुंभ	15:35:26	00:45:19	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध	व	अ	धनु	08:56:23	01:08:48	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
गुरु			कन्या	27:04:30	00:06:18	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	03:37:37	01:05:02	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि			वृश्चि	27:18:05	00:06:50	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	10:26:15	00:03:20	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	10:26:15	00:03:20	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मीन	26:28:04	00:00:09	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	---
नेप			कुंभ	15:38:46	00:01:23	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	22:51:25	00:02:03	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
दशम भाव			वृश्चि	16:59:07	--	ज्येष्ठा	--	18	मंगल	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:05:34

लग्न-चलित

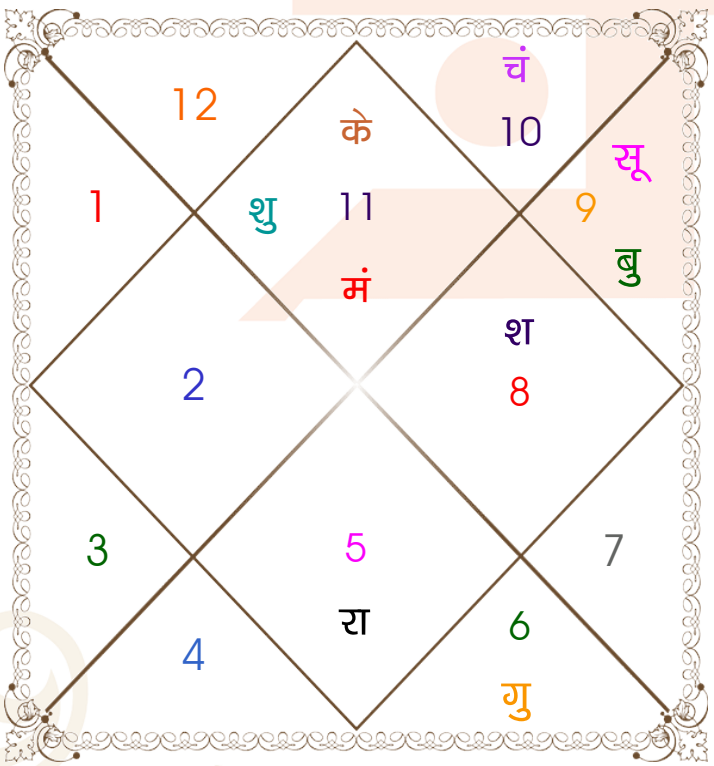

चन्द्र कुंडली

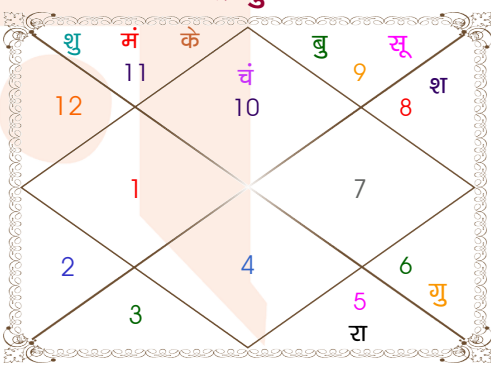

नवमांश कुंडली

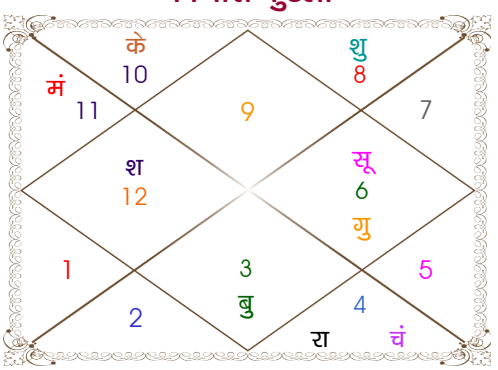

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 2 मास 4 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
01/01/2017		08/03/2019		08/03/2026		07/03/2044		07/03/2060	
08/03/2019		08/03/2026		07/03/2044		07/03/2060		08/03/2079	
	00/00/0000	मंगल	04/08/2019	राहु	18/11/2028	गुरु	25/04/2046	शनि	11/03/2063
	00/00/0000	राहु	21/08/2020	गुरु	13/04/2031	शनि	06/11/2048	बुध	18/11/2065
	00/00/0000	गुरु	28/07/2021	शनि	17/02/2034	बुध	11/02/2051	केतु	28/12/2066
	00/00/0000	शनि	06/09/2022	बुध	06/09/2036	केतु	18/01/2052	शुक्र	26/02/2070
	00/00/0000	बुध	03/09/2023	केतु	24/09/2037	शुक्र	18/09/2054	सूर्य	08/02/2071
	01/01/2017	केतु	31/01/2024	शुक्र	24/09/2040	सूर्य	08/07/2055	चंद्र	09/09/2072
केतु	05/01/2017	शुक्र	01/04/2025	सूर्य	19/08/2041	चंद्र	06/11/2056	मंगल	19/10/2073
शुक्र	06/09/2018	सूर्य	06/08/2025	चंद्र	18/02/2043	मंगल	12/10/2057	राहु	24/08/2076
सूर्य	08/03/2019	चंद्र	08/03/2026	मंगल	07/03/2044	राहु	07/03/2060	गुरु	08/03/2079

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
08/03/2079		07/03/2096		09/03/2103		09/03/2123		08/03/2129	
07/03/2096		09/03/2103		09/03/2123		08/03/2129		00/00/0000	
बुध	03/08/2081	केतु	03/08/2096	शुक्र	08/07/2106	सूर्य	26/06/2123	चंद्र	07/01/2130
केतु	01/08/2082	शुक्र	03/10/2097	सूर्य	09/07/2107	चंद्र	26/12/2123	मंगल	08/08/2130
शुक्र	01/06/2085	सूर्य	08/02/2098	चंद्र	08/03/2109	मंगल	02/05/2124	राहु	07/02/2132
सूर्य	07/04/2086	चंद्र	09/09/2098	मंगल	08/05/2110	राहु	27/03/2125	गुरु	08/06/2133
चंद्र	06/09/2087	मंगल	05/02/2099	राहु	08/05/2113	गुरु	13/01/2126	शनि	07/01/2135
मंगल	03/09/2088	राहु	24/02/2100	गुरु	07/01/2116	शनि	26/12/2126	बुध	07/06/2136
राहु	23/03/2091	गुरु	31/01/2101	शनि	09/03/2119	बुध	01/11/2127	केतु	02/01/2137
गुरु	28/06/2093	शनि	12/03/2102	बुध	07/01/2122	केतु	08/03/2128		00/00/0000
शनि	07/03/2096	बुध	09/03/2103	केतु	09/03/2123	शुक्र	08/03/2129		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 1 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म शतभिषा नक्षत्र के प्रथम चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस ज्योतिषीय समन्वित आकृति से यह दृश्य हो रहा है कि आप ईश्वरीय प्रबंधन के अनुसार धन एवं प्रसन्नता युक्त जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आप अकर्मण्य नहीं है। लेकिन आप जीवन के सभी कार्य पूर्ण तत्परता के साथ संपादित करेंगे।

आप विद्वान एवं अधिकार युक्त स्वच्छंद विचार से जीवन व्यतीत करेंगे। आप निश्चित रूप से अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कठिन श्रम एवं समर्पित भाव से कार्य सिद्धि का निष्पादन करेंगे। आप श्रेष्टतम कार्य शक्ति का समुचित व्यवहार करेंगे तथा सर्वोच्च शिखर पर पहुंच जाएंगे।

यद्यपि आप वार्तालाप के क्रम में अप्रियता का प्रदर्शन करते हैं। बल्कि आप एक ईमानदार एवं विश्वसनीय प्राणी हैं तथा दूसरों को कष्ट नहीं पहुंचाते। परंतु यदि कोई आपको उतेजित कर देता हैं तो अपनी क्षमता के अनुरूप पीछे मुड़ कर उस पर आश्चर्यजनक शक्ति से प्रहार कर उसे पराजित कर देते हैं। आप मात्र अलग से आर्थिक रूप से सुदृढ़ नहीं हैं। आप अपनी शक्ति एवं प्रभाव के अनुसार प्रभावशाली स्तर के प्राणी हैं। आप बहुत अधिक आयु से युक्त अर्थात् दीर्घजीवी हैं। जब आप 28 वर्ष की आयु के हो जाएंगे तब आप अच्छी प्रकार अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होंगे।

आप मध्यस्थता कराने वाले स्वभाव के प्राणी हैं। आप एकांत प्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे। आप भगवान के भक्त एवं धार्मिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप धर्म दर्शन का दिखावा के लिए रूचिवान एवं पराविज्ञान के प्रति उत्साही व्यक्ति है। इसलिए आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसायों में खगोलीय कार्य, ज्योतिषीय कार्य, पराविज्ञान सांख्यिकी की कार्य एवं वायु यात्रा से संबंधित व्यवसायों की पेशा अनुकूल है।

बहुत दिनों तक आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु आपकी वृद्धावस्था में कुछ रोगो के दुष्प्रभाव से हृदय संबंधी दिक्कतें, रक्तचाप एवं कफ खांसी, जुकाम एवं जोड़ों के दर्द, गठिया, वायु रोगादि से आक्रांत हो सकते हैं। आप अपने कार्यकलाप के प्रति सतर्क रहें। क्योंकि कभी भी ऐसी घटना यथा साधारण दुर्घटना, कोई चोट-मोच अथवा अकस्मिक रूप से अंगो का कट जाना संभाव्य है। आप एक उत्तम प्रकार के सुखों से युक्त घर परिवार के स्वामी होंगे। आप अपनी जरूरत के अनुरूप जीवन-यापन के रास्ते बना लेंगे। आप भाग्यशाली तथा बुद्धिमती पत्नी के पति एवं प्रिय संतानों के पिता होंगे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक भाग्यशाली हैं। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंकों का परित्याग करना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन शनिवार, एवं शुक्रवार का दिन अनुकूल प्रमाणित है। आपके लिए शेष तीन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार का दिन सर्वथा

प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आप रंगों में नारंगी, हरा एवं नीला रंग से परहेज करें। क्योंकि ये रंग आपके लिए सर्वथा प्रतिकूल हैं। परंतु रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग आपके लिए लाभदायक है।